International Research Journal of Education and Technology
Peer Reviewed Journal
ISSN 2581-7795

शैक्षणिक पुस्तकालयों में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी संसाधनों का अध्ययन

[1]डॉली पिथोरीया श्री सत्य सॉई प्रौद्योगिकी एवं चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय सीहोर म.प्र
[2]डॉ अरुण मोदक श्री सत्य सॉई प्रौद्योगिकी एवं चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय सीहोर म.प्र

सारांश

नित्य नवीन पाठ्यक्रमों का आगमन, पकाशन मूल्यों में बढ़ोत्तरी, जटिल विषयों पर शोध कार्य तथा प्रकाशन सामग्री में तीव्रता के कारण पुस्तकालय की आव यकता महसूस की गई है। आज एक छात्र, अध्यापक या शाधेकर्ता के लिए यह जान सकना असम्भव है कि उनके विषय पर क्या–क्या मुद्रित हो रहा है। वर्तमान काल में पुस्तकालय की अवधारणा एव ं परिभाशा मे पूर्णरूपेण परिवर्तन आ गया है। प्राचीन काल मे पुस्तकों को सिर्फ संग्रह की वस्तु समझा जाता था तथा उसे भावी पीढ़ी के संरक्षण के लिए संरक्षित किया जाता था परन्तु आज के समय में पुस्तकों को उपयोग की वस्तु समझा जाता है तथा अधिकाधिक पाठकों तक उसका लाभ कैसे पहुंचे इसकी याजेना बनाई जाती है। है। इन्टरनेट पर बहुत सारी सूचनायें उपलब्ध होती हैं, परन्तु ये सूचनायें क्रमबद्ध तथा प्रबन्धात्मक नहीं होती है, न तो ये सूचनायें विषय पर होती है। यदि पुस्तकालय इन सूचनाओं का वर्गीकरण करके उपयोगकर्ताओं तक पहुँच सुनि चत कराते हैं तो न केवल पुस्तकालयाध्यक्ष अपनी भूमिका बढ़ा सकता है बल्कि उपयोगकर्ताओं को भी लाभ होगा।

शब्द कुंजी पुस्तकालय उच्च शिक्षा विकास तकनीकी

सार–तत्व

पुस्तकालय द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना अद्यतन, बिना भेदभाव के तथाद उपयागे कर्ता के समझ के अनुरूप हानेी चाहिए। इसके लिए पुस्तकालय कर्मी को प्रि ाक्षण की जरूरत होती है जैसे पुस्तकालय में उपलब्ध सेवायें व संसाधन का ज्ञान तथा उपयागे कर्ताओं की आव यकता की समझ होनी चाहिए। सूचना प्रौद्योि गकी के आगमन से हम अपने उपयागे कर्ताओं को परम्परागत तरीकों से हटकर तथा कुछ बहे तर करके सतं ुष्ट कर सकते है। इन्टरनेट पर बहुत सारी सूचनायें उपलब्ध होती हैं, परन्तु ये सूचनायें क्रमबद्ध तथा प्रबन्धात्मक नहीं होती है, न तो ये सूचनायें विषय पर हातेी है। यदि पुस्तकालय इन सूचनाओं का वर्गीकरण करके उपयोगकर्ताओं तक पहुँच सुनि चत कराते हैं ता` न केवल पुस्तकालयाध्यक्ष अपनी भूमिका बढ़ा सकता है बल्कि उपयोगकर्ताओं का` भी लाभ होगा। हम इंटरनेट पर उपलब्ध सूचनाओं को विषयवार करके पुस्तकालय के वबे साइट पर लिकं कर दें तो किसी विषय के उपयोगकर्ता को उसके अध्ययन अनुरूप सामग्री प्राप्त हा` सकती है।

यूजीसी ने उच्च शिक्षा के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शिक्षा द`श की शक्ति आ`र स्त्रोत होता है। ग्र ंथालय ही एक ए`सा माध्यम है जिससे ज्ञान का दीपक प्ज्जवलित हो सकता ह`। किसी द`श की उन्नति का मापदण्ड उस द`श मे ं विद्यमान ग्र ंथालया ें की संख्या और उनका उपयोग होता हैं। शिक्षा का प्रसाद शिक्षण संस्थाआ ें में अनुष्ठित ग्रंथालया ें के माध्यम स` हो सकता ह`। साव ंजानिक ग्र ंथालय द`श की श`क्षणिक, राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक नैतिक तथा सा ंस्कृतिक उन्नति को बढ ावा द`त` है।

1.1 प्रस्तावना

अनुसंधान एवं विकास तथा उद्योग व व्यापार के प्रचार–प्रसार में वि ाष्ट पुस्तकालयों की महात्वपू र्ा भूमिका होती है। किसी दे ा का

International Research Journal of Education and Technology
Peer Reviewed Journal
ISSN 2581-7795

विकास वहाँ के उद्योगों और व्यापार निर्भर करती है। उद्योगां ` के विकास के लिए निरन्तर अनुसंधान की जरूरत पड़ी है जैसे– लागत कम दिया जा सके, उत्पादित माल का उचित तरीके से वितरण हा ` सक `, उत्पाद गुणवत्तापरक हो, पर्यावरणीय क्षति बिलकुल न हो इत्यादि। इस तरह उद्यागे व व्यापार की ज्ञानपरक सूचनायें देन ` का कार्य वि ाष्ट प ुस्तकालय ही करते ह ैं।

'आज वर्तमान युग मे जहॉ प ्रत्येक विषय पर सूचनाआ ` का व ृहत् साहित्य प्रका ात हो रहा है, वहीं इसको संग्रहीत करके उसका प्रबन्धन करना और पाठकों तक उपयुक्त सूचना प्रदान करना एक बहे द श्रमसाध्य एवं समयसाध्य ळें

भा ` ध तथा तकनीकी विकास के क्षेत्र में :

विकसित दे ाों में विकास ाील द ` ाों की अपेक्षा अधिक ाोध कार्य हाते ` हैं। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस जैसे विकसित दे ाों के पीछे भाोध की महत्वपूर्ा भूमिका है। नये भाोध के परिणामस्वरूप उस द ` ा के निवासियों का जीवन स्तर तो सुधरता जा रहा है साथ ही साथ वही तकनीक अन्य द ` ाों में हस्तान्तरित हो जाने से अन्य दे ाों को भी लाभ पहुंचता है। अतः पुस्तकालय नवीन भाोधां ` के बारे में विभिन्न माध्यमों से अद्यतन जानकारी अपने उपयोगकतार्अ ों तक पहंचु ाते रहते हैं। डिजिटल लाइब्रेरी के इस यगु में भाोधकर्ता अपने विषय पर पुस्तकें व पत्र–पत्रिकायं ` न केवल अपने दे ा के पुस्तकालयों से सूचना प्राप्त कर सकते हैं बल्कि अन्य दे ाों के पुस्तकालयों से भी आव यक सूचनायें प्राप्त कर सकते हैं।

- **ज्ञान का विकेन्द्रीकरण करना** – संग्रहित तथा संगठित सामग्री के उचित उपयोग म ` आवश्यक बौद्धिक एवं अन्य प्रकार की सहायता प्रदान करना जिससे ज्ञान का प्रचार तथा प्रसार निरन्तर होता रहे। वर्तमान ज्ञान के प ्रवाह का ` हम ` शा गतिशील रखने म ` मदद करना – ज्ञान की खोज समय की एक आवश्यकता है ं तथा खा ` ज के बाद उसके विकास के लिए उसका संरक्षण तथा विकेन्द्रीकरण जरूरी हैं। अतः पुस्तकालय ज्ञान के सामाजिक विकास के लिए जरूरी साधन प्रदान कर विश्व ज्ञान में वृद्धि करने में सहायक है ं।
- **देश का ` आर्थि क दृष्टि से समृद्ध करना** – विभिन्न उद्योगों तथा व्यवस्थों में काय रत व्यक्तियों का यथा समय सम्बन्धित विषयों म ` नवीनतम् विचार प्रकृति आ ैर साहित्य से अवगत कराकर पुस्तकालय सम्बन्धित कर्मचारिया ` में सृजन शक्ति का संचार करता ह ैं।
- **शोध शक्ति का संरक्षण करना** – सार्वजानिक कल्याण के लिए शोध शक्ति का संरक्षण सदुपयोग और समृद्धि जरूरी हैं।
- **राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सहयोग तथा एकता स्थापित करना** – पुस्तकालयों द्वारा पारस्परिक सहयोग तथा सद्भावना, राष्ट्रीय एकता, अन्तर्राष्ट्रीय शांन्ति एवं सहयोग की

International Research Journal of Education and Technology
Peer Reviewed Journal
ISSN 2581-7795

भावना को अपने पाठकों के मध्य सफलतापूर्वक तथा आसानी से प्रसारित किया जा सकता हैं।

1.2 समस्या कथन

सूचना युग में अकादमिक पुस्तकालयों पुस्तकालयाध्यक्षों की भूमिका उपयोगकर्ताओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए उपयुक्त और सटीक जानकारी तक पहुंच को बढ़ावा देना है।

1.3 पुस्तकालय के उद्देश्य

विश्वविद्यालय पुस्तकालय देश की उच्च शिक्षा क्षेत्र का एक महत्त्वपूर्ण अंग माना जाता हैं। उच्च शिक्षा के स्तर में ज्ञान की कोई सीमा नहीं समझी जाती है। अतः जो भी ज्ञान भूमण्डल के किसी भी कोने से निर्मित होकर विज्ञापित होता हैं। उसे विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों, शोधकर्ताओं एवं विद्यार्थियों को अन्तरंग रूप में जोड़ने का काम विश्वविद्यालय पुस्तकालयों का हैं। विश्वविद्यालय पुस्तकालय का उद्देश्य विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की पूर्ति में भागीदार बनना हैं। इस परिदृश्य में यह आवश्यक हो जाता हैं कि विश्वविद्यालय के उद्देश्यों का अवलोकन संक्षेप में किया जाए।

1 ज्ञान का विकेन्द्रीकरण करना – संग्रहित तथा संगठित सामग्री के उचित उपयोग में आवश्यक बौद्धिक एवं अन्य प्रकार की सहायता प्रदान करना जिससे ज्ञान का प्रचार तथा प्रसार निरन्तर होता रहे। वर्तमान ज्ञान के प्रवाह को हमेशा गतिशील रखने में मदद करना – ज्ञान की खोज समय की एक आवश्यकता है तथा खोज के बाद उसके विकास के लिए उसका संरक्षण तथा विकेन्द्रीकरण जरूरी हैं। अतः पुस्तकालय ज्ञान के सामाजिक विकास के लिए जरूरी साधन प्रदान कर विश्व ज्ञान में वृद्धि करने में सहायक है।

2. **शोध शक्ति का संरक्षण करना** – सार्वजानिक कल्याण के लिए शोध शक्ति का संरक्षण सदुपयोग और समृद्धि जरूरी हैं।

3 राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सहयोग तथा एकता स्थापित करना –

पुस्तकालयों द्वारा पारस्परिक सहयोग तथा सद्भावना, राष्ट्रीय एकता, अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति एवं सहयोग की भावना को अपने पाठकों के मध्य सफलतापूर्वक तथा आसानी से प्रसारित किया जा सकता हैं।

1.4 शोध की परिकल्पना

1. निजी विश्वविद्यालयों में वे विश्वविद्यालय हैं जिनकी स्थापना अवधि 5 वर्ष से अधिक हैं।
2. इस शोध कार्य में उपलब्ध शैक्षिक ई–संसाधनों में केवल 5 संसाधनों को ही लिया गया हैं। ई–डेटाबेस, ई–जर्नल, ई–पुस्तके, ई–थीसिस एवं ई–पत्रिकाए

1.5 अनुसंधान क्रियाविधि

विभिन्न महाविद्यालयों के पुस्तकालय में उपलब्धशैक्षिक ई–संसाधनों की सूची तैयार करना।

तालिका 1 विभिन्न महाविद्यालयो मे ई–पुस्तको की उपलब्धता

क्रस	महाविद्यालय	ई–संसाधन	ई–संसाधन निम्न स्रोतों से लिए गये हैं।	संख्या	क्र.सं.
1	हवाबाग महिला कॉलेज जबलपुर	• अमेरिकन कैमिकल सोसायटी • अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स • अमेरिकन फिजीक्ल सोसायटी	इजिनियरिंग फिजिक्स विधि इजिनियरिंग	49 33 39 1036	6719

ISSN 2581-7795

		• एन्युअल रिव्यु • सांइस डाईरेक्ट (10 सब्जेक्ट • कलैक्शन • आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस • प्रोजेक्ट इक्यूड	मैनेजमेन्ट इजिनियरिंग विधि	206 2585 79 1613 1079		
2	जबलपुर अभियांत्रिकी कॉलेज जबलपुर	• सांइस फाइन्डर स्कॉलर • जे. गेट • अमेरिकन इन्स्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स • एन्युअल रिव्यु • कैम्ब्रीज • यूनिवर्सिटी प्रेस • इकोनोमिक्स पॉलिटिक्लस वीक्ली • इल्सवायर सांइस • जे. स्टोर • आक्सफोर्ड युनिर्वसिटी • एच. डब्ल्यू विल्सन • एबस्को • आई.ई.ई.ई • ए.सी.एम. डिजिट • टेलर एण्ड फ्रांसिस • अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स	इनफ्लिबनेट	1149 2133 39 1036 206 2585 79 2613 1079 39 1036 206 2585 2585 79 1079	18528

International Research Journal of Education and Technology
Peer Reviewed Journal
ISSN 2581-7795

		• आक्सफोर्ड प्रेस			
3	डीएन जैन कॉलेज जबलपुर	• कैब • एल्सटेक्ट • एगिरस • एर्गीकोला	फिजिक्स फिजीकल विधि फिजिक्स कैमिस्ट्री एजुकेशन मैनेजमेन्ट बेसिक साइंस	224 180 2500 206 29 3000 359 289 1189	8083
4	अमर ज्योति इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च जबलपुर	• जे. स्टोर • हेन आनलाइन • लेक्सिस नेक्सिस • क्लुवर एबिटेशन एसआइ एएम स्प्रीगर लिंक • ट लर एण्ड फ्रांसिस	केवल विधि सम्बन्धित पुस्तकें	1597 99 1295 2367 1191 1451	8000
5	जबलपुर स्वास्थ्य विज्ञान संस्थान जबलपुर	• डेलनेट	केवल चिकित्सा सम्बन्धि पुस्तकें	4295	4295
6	सेंट अलॉयसियस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी। जबलपुर	• डेलनेट • आइ.एम.पी. • ए.एस.पी. • एमराल्ड • आइईईइ • जे.गेट • साइंस डायरेक्ट • आइ.ई.एल	इंजिनियरिंग	1597 1091 1997 2091 825	7601
7	माता गुजरी महिला महाविद्यालय जबलपुर	• डेलनेट • इनफ्लिबनेट	जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय दिल्ली इनफ्लिबनेट	2127 1000	3127
8	श्री गुरु तेग बहादुर खालसा	• डेलनेट • इनफ्लिबनेट	एजुकेशन मैनेजमेन्ट	2127 2201	4328

International Research Journal of Education and Technology
Peer Reviewed Journal
ISSN 2581-7795

	कॉलेज जबलपुर				
9	गवर्नमेंट एमएच कॉलेज ऑफ होम साइंस एंड साइंस फॉर वूमेन जबलपुर	• डेलनेट • जे.गेट • आइ.ई.ई.इ • नेचर • बेथम • मनपात्रा	एजुकेशन मैनेजमेन्ट विधि नर्सिंग लाईफ साइंस	162 899 145 04 23 2399	5413
10	जीएस कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड इकोनॉमिक्स जबलपुर	• बिबिलियोगाफी डेटाबेस • एस्स स्पेन • कोपेक • एरिक • एच.सी.आइ बिबिलियागाफी • एन.यू.सी.एम.ई • आल्सटर • मेडलाइन • सांइस एफ.एफ. आर. डेटाबेस • आइ.यू.सी.ई.ई	सभी सकं ायो ं से सम्बन्धित	10900	10900

तालिका 2 विभिन्न विश्वविद्यालयो ं मे ं ई–पुस्तको ं की उपलब्धता

क्र स	महाविद्यालय	ई–संसाधन	ई–संसाधन निम्न स्रा ेता ं से लिए गये हैं।	स ंख्या	क्र.सं.
1	हवाबाग महिला कॉलेज जबलपुर	• कैम्ब्रीज बुक्स • ई–लाइब्रेरी	आर्टस कॉमर्स	382 1402	1784
2	जबलपुर अभियांत्रिकी कॉलेज जबलपुर	• कैम्ब्रीज बुक्स • ई–लाइब्रेरी • ई.बी.एस.सी.ओ. होस्ट–नेट लाइब्रेरी • हिन्दुस्तान बुक एजेन्सी • इंस्टीट्यूट ऑफ साउथ ईस्ट • एसीयन स्टेडीस (आई. एस.ई.ए.एस.)	इंजिनियरिंग, होटल मैनेजमेन्ट मैनेजमेन्ट सभी सकं ायो ं से सम्बन्धित	2420 15969 1000 54	19443

		• ऑक्सफोर्ड स्कॉलरशीप • स्प्रींगर ई–बुक्स • सेग पब्लिकेशन ई बुक्स • टेलर फ्रासिंस ई–बुक्स • लाई लाइब्रेरी– मैक्ग्राहिल			
3	डीएन जैन कॉलेज जबलपुर	• लाई लाइब्रेरी • स्प्रींगर ई–बुक्स	मैनेजमेन्ट सम्बन्धित	146	146
4	अमर ज्योति इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च जबलपुर	• कैम्ब्रीज • यूनिवसिर्टी प्रेस • इकोनोमिक्स	उपलब्ध नहीं ह	उपलब्ध नहीं ह	उपलब्ध नहीं ह
5	जबलपुर स्वास्थ्य विज्ञान संस्थान जबलपुर	• एन्ुअल रिव्यु • मैक्ग्राहिल • स्प्रींगर ई–बुक्स	नर्सिंग लाईफ साइंस सभी सकं ायो ं से सम्बन्धित	100 1697 10742	12539
6	सेंट अलॉयसियस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी। जबलपुर	• मैक्ग्राहिल	उपलब्ध नहीं ह	उपलब्ध नहीं ह	उपलब्ध नहीं ह
7	माता गुजरी महिला महाविद्यालय जबलपुर	• कैम्ब्रीज बुक्स • ई–लाइब्रेरी • ई.बी.एस.सी.ओ. हॉस्ट–नेट लाइब्रेरी •	उपलब्ध नहीं ह	उपलब्ध नहीं ह	उपलब्ध नहीं ह
8	श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज जबलपुर	• कैम्ब्रीज बुक्स • ई.बी.एस.सी.ओ. हॉस्ट–नेट लाइब्रेरी •	उपलब्ध नहीं ह	उपलब्ध नहीं ह	उपलब्ध नहीं ह
9	गवर्नमेंट एमएच कॉलेज ऑफ होम साइंस एंड साइंस फॉर वूमेन जबलपुर	• ई–लाइब्रेरी • स्प्रींगर ई–बुक्स •	लॉ मैनेजमेन्ट	197 1742	1939
10	जीएस कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड इकोनॉमिक्स जबलपुर	• स्प्रींगर ई–बुक्स •	उपलब्ध नहीं ह	उपलब्ध नहीं ह	उपलब्ध नहीं ह

International Research Journal of Education and Technology
Peer Reviewed Journal
ISSN 2581-7795

प्रमुख निष्कर्ष

उपर्युक्त तालिका विभिन्न महाविद्यालयो के पुस्तकालयो ं मं` उपलब्ध ई– पुस्तको की उपलब्धता को दर्शाती हं। शोधार्थी ने विभिन्न महाविद्यालयो क` पुस् तकालयो ं मे ं जाकर पाया कि सबस अधिक ई –पुस् तको ं की उपलब्धता जबलपुर अभियांत्रिकी कॉलेज जबलपुर के पुस् तकालय मे ं उनकी संख्या उनकी संख्या 19443 यह ई–पुस् तके ं विभिन्न संकायो ं स` सम्बन्धित हैं। जबकि डीएन जैन कॉलेज जबलपुर के पुस्तकालय सबसे कम ई– पुस्तकें उपलब्ध है उनकी संख्या 146 हैं। इसके विपरीत कुछ एसे` महाविद्यालयो भी ह` जिनमे ं अभी तक ई–पुस्तको ं की उपलब्धता नहीं हैं।

संदर्भ सूची :

[1] Kundu, Dipak. "Nature of the Information seeking behaviour of Teachers engaged in General Degree Colleges and Teachers Traning colleges: A Critical Analysis." Athens Journal of Education 2.3 (2015): 257-273. Web. October 2018.

[2] Kumar, Ashish. "Assessing the Information Need and Information Seeking Behaviour of Research Scholars of M.B.P.G College: A Case Study." International Journal of Digital Library Services 3.3 (2013): 1-12. Web. March 2020. .

[3] Kumar, G.H. and Hemant. "Information Seeking Behaviour : An overview." Indian Journal of Library science and informaiton technology 2.1 (2017): 23-27. Web. September 2020.

[4] Choukhandey, V.G. Information Needs and Information Seeking Behaviour. Amravati: Shivneri Publishers, 2008. 124-133.Print.

[5] का`र, ए0 (2000), ''इंटरनेट फैसिलिटी एट जी0एन0डी0यू0 : ए सव`'', प्रा`सीडिंग्स ऑफ नेशनल स`मिनार आन एके डेमिक लाइब्रेरीज इन दि माडर्न इरा, आर्गानाइज्ड बाई आई0ए0एस0एल0आई0सी0, भा`पाल, 4–6 दिसम्बर, पृ0 119–24.

[6] घा`श, टी0बी0 (2002), फ्रीली अवलेबिल आनलाइन इंफारमेशन सोर्सेस एण्ड दियर इम्पैक्ट आन लाइब्रेरीज एण्ड इंफारम`शन स`न्टर्स, पेपर प्रज`न्ट`ड इन नाइन्थ नेशनल कंवेन्शन कैलिबर–2002, जयपुर, 14–16 फरवरी.

[7] घा`ष, पैट्रिक एस0एल0 एवं टी0पी0 गुहा (2013), डिजिटल स्पेस म` विस्फोटन,

[8] योजना, वर्ष–58, अंक–5, मई, पृ0 9–13. जंग`, एस0 एव ं सामी, एल0क`0 (2006), इनफ्ल ृएंस ऑफ इंटरनेट आन लाइब्रेरी एण्ड इनफारमेशन सेंटर्स ऑफ नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी इन इण्डिया, एनल्स ऑफ लाइब्रेरी एण्ड इनफारम`शन स्टडीज, वा0–53, पृ0 184–97

[9] सिंह, शंकर (2003). सूचना प्रा`द्योगिकी आ`र पुस्तकालय . नई दिल्लीरू एस.एसप्रकाशन।

[10] ॉर्मा, चेतन (2009). ई संसाधाना` ं का प्रभाव। इलेक्ट्रॉनिक जम`न ऑफ एकेडमिक एण्ड स्प`ेाल लाईब्रेरियनिपः स्प्रीग जर्नल वॉल्यूम 10,न`. 1।

[11] अरोडा, जे एवं त्रिवेदी, लालक ृष्ण (2010). इन्द्रेस्ट ए आई.सी.टीई–कसा`र्टियम वर्तमान सेवाएं आ`र भविष्य एण्ड एनवोईस के डेसीडाक जर्नल।

[12] णत्रिवेदी, लालक ृष्ण (2010). यू.जी.सी. इपफा`न्ट डिजिटल पुस्तकालय पुस्तकालय एवम् सूचना प्रा`द्या`गिकी वॉल्यूम 30 (20) पृष्ठ सं. 15–25।